आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 48 लखनऊ, शनिवार 28 मार्च 2026 से 06 अप्रैल 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

उत्तर प्रदेश बना देश का सबसे बड़ा एमएसएमई हबः योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ९६ लाख इकाइयों के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता को नई रफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने बीते ६ वर्षों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में ९६ लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों के साथ अब यह देश का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों ने लाखों लोगों को रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर दिया है। आसान ऋण, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्धता जैसी सुविधाओं ने छोटे उद्योगों को नई पहचान दी है। प्रदेश में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत १.४७ लाख से

अधिक युवाओं को लाभ मिला, जिससे ४.५१ लाख रोजगार सृजित हुए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के जरिए ३७ हजार से अधिक लाभार्थियों को आर्थिक सहायता दी गई, जिससे करीब तीन लाख लोगों को रोजगार मिला। इसी तरह प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत ३२ हजार से अधिक लाभार्थियों को सहयोग देकर २.६३ लाख रोजगार के अवसर पैदा किए गए। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया है। इस योजना के तहत २० हजार से अधिक लोगों को आर्थिक सहायता दी गई, जिससे ३.२६ लाख रोजगार सृजित हुए। साथ ही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के जरिए ४.२० लाख से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण देकर सशक्त बनाया गया है। सरकार अब 'एक जनपद एक व्यंजन' पहल के जरिए स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों को पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रही है। इससे रोजगार और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए २०२३ में प्लेज स्कीम लागू की गई है, साथ ही नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लायमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना का निर्णय लिया गया है। इनसे स्थानीय स्तर पर उद्योगों का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रदेश सरकार एमएसएमई सेक्टर को ग्लोबल सप्लाई चेन से जोड़ने, निर्यात बढ़ाने और तकनीकी उन्नयन पर जोर दे रही है। आने वाले समय में यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

योगी आदित्यनाथ को बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर, गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान सुर्खियों में रही भावुक मुलाकात

लखनऊ। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर के दर्शन के दौरान एक पांच वर्षीय बच्ची ने उन्हें खिलौना बुलडोजर भेंट किया। इस भावपूर्ण घटना ने सोशल मीडिया पर तुरंत सुर्खियां बटोरीं। अपने परिवार के

साथ आई कानपुर की यशस्विनी ने मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री से संपर्क किया और उन्हें छोटा बुलडोजर सौंप दिया। मुख्यमंत्री ने बच्ची को बुलडोजर लौटाते हुए उसे अच्छे से पढ़ाई करने और बुलडोजर से खेलने के लिए कहा। बुलडोजर आदित्यनाथ की शासन शैली का प्रतीक बन गया है, जिसके तहत अपराधों के आरोपियों से जुड़ी संपत्तियों को ध्वस्त किया गया है। विपक्ष इस प्रथा की अक्सर बुलडोजर राज कहकर आलोचना करता रहा है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ ने कमजोर तबके पर दबंगई दिखाने वालों को चेताया कि राज्य में गुंडागर्दी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पुलिस को ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कमजोर तबके के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने–धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो, तो उसकी जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब २०० लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए और कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले, हर पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो और जमीन कब्जाने वाले भू–माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

Tradition और Technology का अद्भुत संगम, अयोध्या में राम लल्ला का हुआ दिव्य सूर्य तिलक, पीएम मोदी भी बने साक्षी

लखनऊ। शुक्रवार को अयोध्या में राम नवमी का पवित्र पर्व अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया गया और राम मंदिर में भव्य सूर्य तिलक समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष अयोध्या में भव्य उत्सव का आयोजन राम जन्मभूमि मंदिर में बहुप्रतीक्षित सूर्य तिलक समारोह के साथ किया जा रहा है। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण सूर्य तिलक अनुष्ठान है, जो ठीक दोपहर १२:०० बजे संपन्न होता है। इस अनूठे समारोह के दौरान, मंदिर के भीतर स्थित राम लल्ला प्रतिमा के माथे पर वैज्ञानिक विधि से सूर्य की किरण डाली जाती है। राम नवमी पर, पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान राम लला से प्रार्थना की और अयोध्या राम मंदिर में सूर्य तिलक समारोह का अवलोकन किया। दर्पणों और लेंसों की उन्नत प्रणाली की बदौलत सूर्य की रोशनी गर्भगृह में प्रवेश करती है और कुछ मिनटों के लिए देवता के माथे पर एक चमकदार तिलक बनाती है। यह समारोह दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक है और परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। भक्तों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंदिर अधिकारियों ने अयोध्या भर में लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था की, जिससे हजारों भक्त इस क्षण के साक्षी बन सके। आज सुबह अयोध्या में राम नवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, क्योंकि हजारों लोग दूर–दराज के क्षेत्रों से धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए अत्यंत उत्साह के साथ पहुंचे। पवित्र स्नान करने के बाद, श्रद्धालु अयोध्या के राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में प्रार्थना करने के लिए उमड़ पड़े। पूरा शहर गहरी भक्ति के वातावरण में डूबा रहा और 'जय श्री राम' के

जयकारे गूंजते रहे। भगवान श्री राम की जयंती मना रहे श्रद्धालुओं में उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की और पुलिस बलों को विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। अयोध्या मंडल के आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि आज राम नवमी के अवसर पर अयोध्या में आस्था की लहर दौड़ गई हैय हर जगह श्रद्धालु नजर आ रहे हैं और चारों ओर 'जय श्री राम' के जयकारे गूंज रहे हैं। इसी को देखते हुए प्रशासन के सभी उच्च अधिकारी लगातार मेला मैदान का दौरा कर रहे हैं। वे व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं और स्वयं जमीनी स्तर पर कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

सम्पादकीय

बदला शक्ति संतुलन का समीकरण

कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक–ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतः तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने–मारने की मनोदशा में है, दूसरे ड नल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है। ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के १३ सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग २० अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ–३५ भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतः यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ–साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान–माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फ मूर्ला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

पश्चिम एशिया संकट पर प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा एक्शन, मुख्यमंत्रियों संग बैठक में ऊर्जा सुरक्षा पर मंथन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरोध से उत्पन्न वैश्विक संकट के मद्देनजर भारत की ईंधन और ऊर्जा आपूर्ति को लचीला बनाए रखने और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ एक वर्चुअल बैठक कर रहे हैं। केंद्र ने देश की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए हैं और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में राज्य सरकारें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह बैठक नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के भारत पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद हो रही है। उन्होंने छह साल पहले की कोविड–१६ महामारी का भी जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों को उस दौरान की तरह ही मिलकर काम करना होगा। उन्होंने महामारी के दौरान दिखाई गई 'टीम इंडिया' की भावना को याद करते हुए कहा कि मैं सभी राज्य

सरकारों से अपील करता हूं कि वे आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था करें। उन्होंने आगे कहा कि यही भावना अब राष्ट्र का मार्गदर्शन करनी चाहिए। आचार संहिता के कारण चुनाव वाले राज्य इस बैठक का हिस्सा नहीं हैं। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। चुनाव वाले राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से एक अलग बैठक आयोजित की जाएगी। पीएम मोदी के साथ वर्चुअल मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साई, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, पंजाब के भगवंत मान, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस समेत कई नेता शामिल रहे।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमलाः लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और कानून–व्यवस्था को बताया विफल, इंडिया गठबंधन को बताया मजबूत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक बार फिर केंद्र–राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा पर बड़ा प्रहार किया है। अखिलेश ने कहा, भाजपा लोकतंत्र नहीं मानती। एकतंत्र पर भरोसा करती है। सांप्रदायिक एजेंडे पर काम करती है। सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था और विदेश नीति बर्बाद कर दी। डॉलर के मुकाबले रुपये में निरतंर गिरावट जारी है। निवेश ठहरा है। पेट्रोल–डीजल और गैस को लेकर हालात सामने हैं। पूर्व सीएम ने सरकार को हर मोर्चे पर

विफल बताया है। इंडिया गठबंधन से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि ये सीमेंटेड है। पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बनर्जी को बहुत परेशान किया। एजेंसियां लगाईं। चुनाव आयोग के जरिये अधिकारियों को हटवाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग एसआईआर नहीं बल्कि एनआरसी करवा रहा था। हिंदू–मुस्लिम दोनों समाज के कागज चेक किए गए। फर्जी तरीके से वोट कटवाने समेत आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यूपी की कानून व्यवस्था पर कहा कि यह पूरी तरह बर्बाद है। एनसीआरबी का हवाला देते हुए कहा कि सबसे ज्यादा क्राइम यूपी में है। महिलाएं असुरक्षित हैं। सीएम और पीएम के संसदीय क्षेत्र में दिन–दहाड़े हत्याएं हो रहीं। मथुरा में एक संत की हत्या कर दी गई। हमारी सरकार में जो पुलिस सुधार हुआ था–उसे तहस–नहस कर दिया गया। भाजपा पर धर्म के आधार पर राष्ट्रीयता की पहचान का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी देशवासी हमारे अपने हैं। पीड़ित, शोषित, वंचित, दलित–अल्पसंख्यक और महिलाएं, जो भी परेशान है। वह पीडीए के साथ है। सपा सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यूपी ने सबसे कम समय में एक्सप्रेस–वे बनाकर दिखाया। आज, एनएचआई उसे कॉपी कर रहा है। आज सीएम को समाजवादी सरकार में बनाये गये कैंसर इंस्टीट्यूट, लखनऊ मेट्रो, आगरा एक्सप्रेस–वे, आईटी सिटी, लोक भवन नहीं दिखाई दे रहा है। आजम खान से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि वह पार्टी में सबसे ऊपर हैं। सबसे ज्यादा उनका सम्मान हैं। अगले चुनाव में सपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां सकारात्मकता है वहा उन्नति है। पॉजिटिविटी का कोई तोड़ नहीं। आंबेडकर से लेकर लोहिया, जेपी और नेताजी तक, सबने समानता, बराबरी पर जोर दिया। किसान–नौजवान, महिलाओं के हित में कार्य किए। आज शंकराचार्य तक पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ रही है। कई जिलों में बोरे में पकड़ा गया है। ओटीटी पर बहुत सीरियल बने हैं, इस बार गांजागंज भी बनने जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा से कुछ गंभीर प्रश्न हैं। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और सेवा का दावा करने वाले भाजपाई और उनके संगी–साथी अब कहां नदारद हैं? गैस और तेल की लाइनों में लगे लोगों को समझाने और सिलेंडर व तेल दिलवाने के लिए वो गले में भाजपा का पट्टा और गाड़ियों पर भाजपा का झंडा लगाकर क्यों नहीं निकल रहे हैं?' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि क्रोनोल जी समझिए। संकट का प्रचार करेंगे। लोगों को परेशान करेंगे। बाद में बढ़े दाम वसूल करेंगे। उन्होंने कालाबाजारी करके अकूत दौलत कमाने का आरोप लगाया है।

एसजीपीजीआई में बनेगा उत्तर भारत का सबसे बड़ा पीडियाट्रिक सेंटरः २१०० पदों को मंजूरी, अक्टूबर २०२६ से शुरू होगा पहला चरण

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में बन रहे एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर के संचालन के लिए शासन ने बड़े पैमाने पर डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के पदों को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को आयोजित संस्थान की १०४वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। रजिस्ट्रार कर्नल वरुण बाजपेई के अनुसार, सेंटर के संचालन के लिए १३१ डॉक्टर, ४८३ रेजिडेंट, १५४० नर्स, टेक्नीशियन समेत अन्य स्टाफ के पदों को स्वीकृति दी गई है, जबकि १६० पद आउटसोर्सिंग के तहत भरे जाएंगे। इन पदों पर भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन जारी कर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ५७३ बेड की क्षमता वाले इस अत्याधुनिक पीडियाट्रिक सेंटर का पहला चरण अक्टूबर २०२६ में शुरू होगा। पहले चरण में करीब १५ विभागों के २६३ बेड पर बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया जाएगा। इनमें जनरल पीडियाट्रिक्स, पल्मोनरी, न्यूरोल जी, ऑन्कोलॉजी, कार्डियोल जी, मेडिकल जेनेटिक्स, डेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स, सोशल पीडियाट्रिक्स यूनिट, डे–केयर, इमरजेंसी, नियोनेटोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोल जी, एंडोक्राइनोलॉजी, सर्जरी, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और रेडियोल जी जैसी प्रमुख इकाइयां शामिल होंगी। यह सेंटर पूरी तरह विकसित होने पर २४ विभागों के साथ एक ही छत के नीचे बच्चों के इलाज की समग्र सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसे उत्तर भारत का सबसे बड़ा पीडियाट्रिक केंद्र बताया जा रहा है। इसके शुरू होने से उत्तर प्रदेश समेत आसपास के राज्यों के १० करोड़ से अधिक बच्चों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिलेगा। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव एसपी गोयल ने की। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. आरके धीमान, डीन डॉ. शालीन कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

11 वर्षीय बालिका की हत्या से सनसनीः खेत में मिला शव, गांव में तनाव के बीच पीएसी तैनात

बाराबंकी। गुरुवार दोपहर खेत में मेंथा की रोपाई कर रही बालिका की हत्या के मामले में पुलिस अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। इसकी एक वजह परिजनों की ओर से अब तक कोई शिकायत का न होना भी है। हालांकि तनाव को देखते हुए गांव में पीएसी तैनात की गई है। बताते चलें कि मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम बसारी में गुरुवार दोपहर एक ११ साल की बालिका अपने खेत में मेंथा की रोपाई कर रही थी। खेत से मजदूर चले गए वहीं पिता के भी दूसरे खेत जाने से बालिका अकेली रह गई। कुछ समय बाद मजदूरों संग खेत पहुंचे पिता को बेटी नहीं मिली लेकिन करीब ५० मीटर दूर उसका शव मिला। गले पर खरोंच व चोट के निशान से साफ हुआ कि उसकी हत्या की गई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर गई और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर देर रात एसपी अर्पित विजयवर्गीय, एएसपी उत्तरी विकास चंद्र भी घटनास्थल पहुंचे। शुक्रवार को गांव में पीएसी और पुलिस बल तैनात रहा। वहीं शाम करीब ४ बजे पीएम के बाद शव गांव पहुंचा तो लोगों का तांता लग गया और परिजनों में रोना पिटना मचा रहा। पुलिस ने मशक्कत के बाद शाम ५ बजे बालिका का अंतिम संस्कार कराया। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू की है। परिजनों ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

मिशन शक्ति के तहत बीकेटी के कुम्हरावा स्थित कस्तूरबा विद्यालय में कन्या पूजन, ८१ बालिकाओं का सम्मान

लखनऊ। लखनऊ के विकासखंड बक्शी का तालाब (बीकेटी) अंतर्गत कुम्हरावा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में मिशन शक्ति

अभियान के तहत बुधवार को भव्य कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ८१ बालिकाओं का पारंपरिक विधि–विधान से पूजन कर उन्हें देवी स्वरूप मानते हुए सम्मानित किया गया। खंड विकास अधिकारी पूजा पांडे तथा खंड शिक्षा अधिकारी बीकेटी प्रीती शुक्ला ने स्वयं बालिकाओं के पैर धोकर पूजन की शुरुआत की। इसके बाद सभी कन्याओं को टीका, आलता, चुनरी अर्पित की गई और पुष्प वर्षा के साथ नवमी का भोग लगाया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी प्रीती शुक्ला ने कहा कि भारतीय संसेंति में कन्याओं को देवी का रूप माना जाता है। नवरात्र की नवमी तिथि पर कन्या पूजन की परंपरा नारी सम्मान और शक्ति के प्रति आस्था का प्रतीक है। उन्होंने सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में दीपक मिश्रा, अनुराग सिंह राठौड़, ममता यादव, विशाखा सहगल, तहजीब फातिमा और विनीत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल बालिकाओं के सम्मान का संदेश दिया, बल्कि समाज में नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

नगर क्षेत्र जोन एक में आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का अभियान तेज, तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

लखनऊ। राजधानी के स्थित वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज में ६ से १४ वर्ष आयु वर्ग के आउट–ऑफ–स्कूल बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस

प्रशिक्षण में नगर क्षेत्र के जोन–१ एवं जोन–३ के शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को घर–घर सर्वे कर विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान करने, उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित करने तथा बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने की प्रभावी रणनीतियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना और ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करना रहा। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि "कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। शिक्षकों को संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ घर–घर जाकर ऐसे बच्चों की पहचान करनी होगी, जो किसी कारणवश स्कूल से दूर हो गए हैं। हमें केवल नामांकन ही नहीं, बल्कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय से जोड़कर उनकी निरंतर उपस्थिति भी सुनिश्चित करनी है।" उन्होंने आगे कहा कि "अभिभावकों को जागरूक करना और शिक्षा के महत्व को समझाना इस अभियान की सफलता की कुंजी है। सभी शिक्षक इस दिशा में मिशन मोड में कार्य करें, ताकि हर बच्चा शिक्षित और सशक्त बन सके।" प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागी शिक्षकों ने संकल्प लिया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सर्वे कार्य को तेजी से पूरा कर अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यूपी में सौर ऊर्जा के विस्तार में स्थानीय चौनल पार्टनर्स की अहम भूमिका

निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी विकास को दे रही नई दिशा-क्षेत्रीय चौनल पार्टनर्स के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम

अखिलेश दुबे

लखनऊ। राजधानी में सौर ऊर्जा क्षेत्र को नई रफ्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। प्रभा एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को अपने क्षेत्रीय चौनल पार्टनर्स के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया,

जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सहयोगियों को सम्मानित किया गया। कंपनी जो यूटीएल सोलर की क्षेत्रीय वितरक के रूप में कार्य करती है, ने इस आयोजन के जरिए अपने नेटवर्क को मजबूत करने के साथ–साथ जमीनी स्तर पर काम कर रहे पार्टनर्स के योगदान को भी सराहा। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के फ्रेंड्स क लोनी स्थित कार्यालय में किया गया, जहां बड़ी संख्या में चौनल पार्टनर्स मौजूद रहे। इस दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भागीदारों को आकर्षक पुरस्कार दिए गए, जिनमें इलेक्ट्रिक स्कूटर और मिनी पिकअप ट्रक 'छोटा हाथी' शामिल रहे। इन पुरस्कारों ने कार्यक्रम को खास बना दिया और उपस्थित लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के विस्तार में स्थानीय चौनल पार्टनर्स की भूमिका बेहद अहम है। ऐसे प्रोत्साहन कार्यक्रम न केवल उनके मनोबल को बढ़ाते हैं, बल्कि उनकी लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षमता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि निजी क्षेत्र, विशेषकर क्षेत्रीय वितरक और उनके सहयोगी, राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। मजबूत सप्लाई चेन और अंतिम मील तक बेहतर डिलीवरी के कारण अब सौर ऊर्जा समाधान आम लोगों तक तेजी से पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे सौर ऊर्जा इकोसिस्टम का सकारात्मक संकेत है, जहां सरकारी नीतियों के साथ निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी विकास को नई दिशा दे रही है। प्रभा एंटरप्राइजेज के प्रतिनिधियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के विस्तार में स्थानीय स्तर पर काम करने वाले चौनल पार्टनर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे प्रोत्साहन न केवल उनके मनोबल को बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें बेहतर ल जिस्टिक्स और सेवा क्षमता भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में यह भी उजागर किया गया कि निजी क्षेत्र, विशेषकर क्षेत्रीय वितरक और उनके साझेदार, राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने की गति को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर आपूर्ति श्रृंखला और अंतिम मील डिलीवरी की मजबूती से और समाधान अब अधिक सुलभ और प्रभावी बनते जा रहे हैं। इस पहल को उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के बढ़ते इको सिस्टम का एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जहां सरकारी नीति के साथ–साथ निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी भी विकास को नई दिशा दे रही है।

सरोजनी नगर में बाल वाटिका 'नवारंभ उत्सव' का भव्य आयोजन, अधिकारियों ने बच्चों को बांटे उपहार

लखनऊ। विकासखंड सरोजनी नगर के प्राथमिक विद्यालय रामचौरा में बाल वाटिका के 'नवारंभ उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के

शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया। मुख्य अतिथि के रूप में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा पार्थसारथी सेन शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नवागंतुक बच्चों को गिफ्ट हैम्पर वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही ईसीसी (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा) एजुकेटर द्वारा ६ वर्ष पूर्ण कर चुके बच्चों की सूची विद्यालय के प्रधानाध्यापक को सौंपी गई। कार्यक्रम में महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती मोनिका रानी ने बाल वाटिका एवं प्री–प्राइमरी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के समग्र विकास की मजबूत नींव है। इस अवसर पर राज्य परियोजना कार्यालय के वरिष्ठ विशेषज्ञ श्री माधव जी तिवारी, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) लखनऊ मंडल श्याम किशोर तिवारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश सिंह तथा सरोजनी नगर के खंड शिक्षा अधिकारी आर.पी. यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी सरोजनी नगर द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन ने न केवल बच्चों में उत्साह भरा, बल्कि अभिभावकों को भी प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया।

ईरान. इजराइल युद्ध के बीच बोले मुख्यमंत्री योगी. दुनिया में अराजकता, प्रधानमंत्री मोदी के राज में भारत सुरक्षित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों, विशेष रूप से ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच चल रहे युद्धों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच, और ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध से पूरा मध्य पूर्व प्रभावित है और लगभग पूरी दुनिया प्रभावित है। आदित्यनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि लेकिन दुनिया में अफरा–तफरी मची हुई हैय अव्यवस्था और अराजकता फैली हुई है। भारत में, प्रधानमंत्री के शानदार और गौरवशाली नेतृत्व में, हम सुरक्षित हैं और निडर होकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लोगों से संभावित चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने का आग्रह किया और राष्ट्रीय संकट के समय सरकार के साथ एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आती है या कोई चुनौती उत्पन्न होती है, तो उसका सामना करने के लिए व्यक्ति को सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। जब हम किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार के साथ मिलकर काम करते हैं, तो परिणाम हम सबके सामने होते हैं। हमारी देशभक्ति इसी से परिभाषित होगी कि यदि सरकार ने देश के हित में कोई कदम उठाया है, तो हम उसके लिए स्वयं को तैयार रखें। खाना पकाने के गैस सिलेंडरों से संबंधित चिंताओं को दूर करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि लाइन में लगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने सलाह दी कि युद्ध से पहले, अगर किसी के घर में एक गैस सिलेंडर एक महीने तक चलता था, तो आज वह पांचवें या छठे दिन सिलेंडर लेने के लिए क्यों दौड़ रहा है? सुनिए, जब आपकी बारी आने वाली हो, तो उससे तीन या पांच दिन पहले जाकर अपना पंजीकरण करवा लें, और खाना पकाने की गैस आपके घर पहुंच जाएगी। अफवाहें फैलाने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कुछ लोग अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करना चाहते हैं। कुछ लोग अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने गलत सूचनाओं

से बचने के महत्व पर जोर दिया और जनता से शांत रहने का आग्रह किया। योगी आदित्यनाथ ने भारत के ऊर्जा भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने हरित हाइड्रोजन ऊर्जा और जापान के साथ तकनीकी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई पहलों का जिक्र करते हुए कहा, ”हरित हाइड्रोजन ऊर्जा एक महत्वपूर्ण माध्यम बनने जा रही है।

एलपीजी संकट पर अखिलेश यादव का भाजपा पर तंज, 'एक कचौरी, एक समोसा... अब गैस पर नहीं भरोसा'

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की कमी की खबरों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों ने नागरिकों, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों पर बोझ डाला है और उन्हें कठिनाइयों में धकेल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने कतारों के सिवा कुछ नहीं दिया। उनका जो भी फैसला होता है, उससे मैं, आप और हर कोई एक कतार में खड़ा हो जाता है। लेकिन इस बार जनता ने भी ठान लिया है कि कतार में खड़े होकर ही वे उन्हें हराएंगे। और इसीलिए वे सार्वजनिक स्थानों पर स्नेह प्रदर्शन से डर रहे हैं। अखिलेश ने आगे कहा कि एक कचौरी, एक समोसा अब गैस पर भरोसा नहीं रहा और एलपीजी को 'लपाता गैस' करार दिया। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी की सामाजिक मुद्दों की समझ की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग एआई का पूरा नाम ही नहीं जानते, वे पीडीए को कैसे समझेंगे? वे पीडीए के दर्द और पीड़ा को कैसे समझेंगे? वे उनके अपमान को कैसे समझेंगे? वे उनकी परेशानियों को कैसे समझेंगे? पीड़ा जितनी बढ़ेगी, पीडीए उतना ही

बढ़ता रहेगा। यादव ने आगे कहा कि उनकी पार्टी पीडीए के मुद्दे पर लोगों को एकजुट करने के लिए काम कर रही है, और कहा कि इसलिए, पीडीए के लोगों को सम्मान दिलाने के लिए, हम समाजवादी लोग पीडीए के लोगों को एकजुट करके आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा की चुनावी रणनीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि शायद यह दुनिया की पहली राजनीतिक पार्टी है जो किसी की छवि को धूमिल करने के लिए पैसा खर्च करती है। भारतीय जनता पार्टी के लोग छवि खराब करने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रहे हैं। और लोगों से अपनी प्रशंसा पाने के लिए वे प्रोत्साहन राशि बांट रहे हैं। प्रोत्साहन राशि खत्म होते ही लोग प्रशंसा करना बंद कर देंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कल्याणकारी उपायों की एक लंबी सूची प्रस्तुत की और महिला आरक्षण तथा जाति आधारित अधिकारों पर पार्टी के रुख को दोहराया। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह निर्णय आधी आबादी के लिए है। जहां भी समाजवादी पेंशन योजना शुरू होगी, वहां लैपटॉप दिए जाएंगे और साथ ही गरीब परिवारों को सम्मान के प्रतीक के रूप में ४०,००० रुपये देने की योजना भी शुरू की जाएगी। सम्मान समृद्धि योजना और स्त्री सम्मान योजना को समाजवादी सरकार के कार्यकाल में ही लागू किया जाएगा।

दिल्ली एनसीआर की हवा होगी साफ? धूल प्रदूषण रोकने के लिए सीएक्यूएम ने बनाया नया मास्टर प्लान

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने धूल प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर सख्त नियम लागू किए हैं, जो १ अप्रैल, २०२६ से प्रभावी होंगे। २०२६ में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, धूल प्रदूषण के स्तर में महत्वपूर्ण योगदान देती हैंसर्दियों में लगभग १५: और गर्मियों में २७:। इसे ध्यान में रखते हुए, ब।फड ने धूल उत्पादन को सीमित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। ब।फड के सदस्य (तकनीकी) एस. डी. अत्री ने कहा कि विध्वंस से उत्पन्न धूल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है, जिस पर कड़े नियंत्रण की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले विध्वंस कार्य अक्सर पर्याप्त योजना या सूचना के बिना ही किए जाते थे, जिसके परिणामस्वरूप धूल और मलबे का अनियंत्रित फैलाव होता

था। निर्देश संख्या ६७, २०२६ के तहत, २०० वर्ग मीटर से अधिक के विध्वंस परियोजनाओं को निर्दिष्ट संग्रह केंद्रों पर कचरा जमा करना होगा, जिसमें सुलभ और वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करने के लिए कम से कम एक केंद्र पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित होना चाहिए। नियमों में यह निर्दिष्ट है कि धूल के फैलाव को रोकने के लिए मलबे को ढके हुए वाहनों में ले जाया जाना चाहिए। अपशिष्ट निपटान का प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रसीदें जारी करने और जीपीएस आधारित अपशिष्ट ट्रैकिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक एकींत अ नलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। अत्री ने बताया कि पानी का छिड़काव, धूल से बचाव के लिए इस्तेमाल होने वाली स्क्रीन, सेंसर और एंटी–स्म ग गन सहित मौजूदा धूल नियंत्रण उपाय बड़े स्थलों पर अनिवार्य रहेंगे। नियमित निरीक्षणों के माध्यम से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा और उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ेगी टेंशन! Defence Ministry के मेगा प्रस्तावों एस-४०० समेत २.२३ लाख करोड़ मंजूर

नई दिल्ली। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने शुक्रवार को भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से २३ लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी। यह मंजूरी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद दी गई। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए, डीएसी ने एस–४०० लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) प्रणाली की खरीद, सुखोई सु–३० एयरो इंजन एग्रीगेट्स के नवीनीकरण और एएन३२ और आईएल७६ के परिवहन बेड़े को बदलने के लिए मध्यम परिवहन विमानों को शामिल करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य आईएएफ की रणनीतिक, सामरिक और परिचालन हवाई परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करना है। सूत्रों ने बताया, एस–४०० प्रणाली महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निशाना बनाने वाले दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों का मुकाबला करेगी, जबकि रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट आक्रामक जवाबी और समन्वित हवाई अभियानों को अंजाम देने में सक्षम बनाएगा, साथ ही गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान गतिविधियां भी प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि एसयू–३० एयरो इंजन और इसके घटकों की मरम्मत से विमान का सेवा जीवन बढ़ेगा और वायु सेना की परिचालन आवश्यकता पूरी होगी। भारतीय सेना के लिए, डीएसी ने वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली, बख्तरबंद भेदी टैंक गोला बारूद, उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले, धनुष गन प्रणाली और रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली की खरीद को मंजूरी दे दी है। तटरक्षक बल के लिए,

इसने भारी–भरकम कुशन वाहन के लिए आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) प्रदान की है, जिसका उपयोग बहुउद्देशीय समुद्री तटीय परिचालन भूमिकाओं के लिए किया जाएगा, जिसमें उच्च गति तटीय गश्त, टोही, खोज और बचाव अभियान, जहाजों को सहायता प्रदान करना और रसद सहित कर्मियों और सामानों का परिवहन करना शामिल है। वित्तीय वर्ष (FY) २०२५–२६ के लिए डीएसी ने ६.७३ लाख रुपये मूल्य के ५५ प्रस्तावों के लिए आवश्यकता स्वीकृति प्रदान की थी। सूत्रों ने बताया, इसके अलावा, चालू वित्तीय वर्ष में २.२८ लाख करोड़ रुपये के ५०३ प्रस्तावों के लिए पूंजीगत खरीद अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अब तक दी गई आवश्यकता स्वीकृति और हस्ताक्षरित पूंजीगत अनुबंधों की मात्रा किसी भी वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक है।

असम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी का डिजिटल दांव, नमो ऐप के जरिए साधेंगे लाखों वोटर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी विधानसभा चुनावों से पहले ३० मार्च को दोपहर १ बजे **NaMo** ऐप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं और असम की जनता को वर्चुअल रूप से संबोधित करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य भाजपा ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस संवादात्मक पहल में भाग लेने के लिए ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आह्वान किया है। आगामी असम विधानसभा चुनावों पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य भारतीय जनता पार्टी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी जनसंपर्क के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। जनसभाओं में अपने जनसंपर्क अभियान को जारी रखते हुए, माननीय प्रधानमंत्री ३० मार्च को दोपहर १:०० बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और असम की जनता से सीधे संवाद करेंगे। इस संबंध में, राज्य भाजपा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और असम के नागरिकों से '**NaMo** ऐप' डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आग्रह

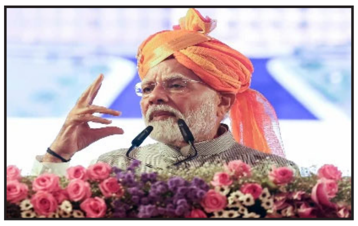

करती है, ताकि वे इस अनूठी और संवादात्मक पहल का अभिन्न अंग बन सकें। इससे पहले उसी दिन, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आगामी चुनावों में भाजपा की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने पार्टी द्वारा शुरू की गई विजय संकल्प यात्रा और इसके लिए जनता के समर्थन की प्रशंसा की। उन्होंने अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल की आलोचना करते हुए कहा कि हमारी विजय संकल्प यात्रा संपन्न हुई और बड़ी संख्या में लोग आए और हमें आशीर्वाद दिया। हमें पूरा विश्वास है कि इस बार ऐतिहासिक परिणाम भाजपा के पक्ष में आएगा। अजमल (एआईयूडीएफ प्रमुख) चाहे जो भी कहें, राजनीतिक रूप से हमने असम के शत्रुओं की शक्ति को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। अगली बार मैं बचे–खुचे शत्रुओं का भी सफाया कर दूंगा। असम विधानसभा की १२६ सीटों के चुनाव में मुख्य रूप से सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस पार्टी के बीच मुकाबला होगा। सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस सत्ता में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रही है। सरमा के अपने पारंपरिक जलुकबारी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

PM Modi का Masterstroke: Jewar Airport से बदलेगी UP की तकदीर, IGI का लोड होगा कम

नई दिल्ली। २८ मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण के उद्घाटन के साथ उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने जा रही है। इस विकास से क्षेत्रीय संपर्क में सुधार होने और व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस हवाई अड्डे से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआइ) हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है, जो वर्तमान में इस क्षेत्र में हवाई यातायात का एक बड़ा हिस्सा संभालता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **X** पर एक पोस्ट में लिखा कि कल, २८ मार्च, उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश की प्रमुख हरित अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य विमानन क्षमता का विस्तार करना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि इससे व्यापार और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर भीड़ कम होगी। यात्री सेवाओं के अलावा, हवाई अड्डे से ल जिस्टिक्स को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यात्री सेवाओं के अलावा, इसमें एक मजबूत कार्गो प्रणाली होगी, जिससे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बहुप्रतीक्षित प्रथम चरण का उद्घाटन शनिवार, २८ मार्च को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया जाएगा, जो भारत के विमानन बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। यह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र की सेवा करने वाला दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को बढ़ावा

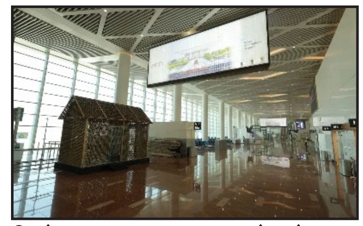

मिलेगा। यमुना एक्सप्रेसवे पर रणनीतिक रूप से स्थित, यह हवाई अड्डा आईजीआई हवाई अड्डे के साथ मिलकर काम करने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि भीड़भाड़ कम हो और यात्री क्षमता में वृद्धि हो सके। लगभग ११,२०० करोड़ रुपये की लागत से विकसित, पहले चरण की प्रारंभिक क्षमता प्रति वर्ष १२ मिलियन यात्रियों की है, जिसे बढ़ाकर ७० मिलियन तक किया जा सकता है। इस सुविधा में ३,६०० मीटर लंबा रनवे है जो बड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है, साथ ही उन्नत नेविगेशन सिस्टम और चौबीसों घंटे संचालन के लिए एयरफील्ड लाइटिंग की व्यवस्था भी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए हवाई अड्डा लाइसेंस प्रदान किया है, जिससे यह हर मौसम में संचालित हो सकेगा।

गौतमबुद्ध नगर से सपा का चुनावी शंखनाद

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने जा रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव २६ मार्च को गौतमबुद्ध नगर के दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री क लेज में आयोजित होने वाली सद्भावना रैली के जरिए चुनावी आगाज करेंगे। इस रैली को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष २०११ में भी अखिलेश यादव ने अपनी चर्चित 'साइकिल यात्रा' की शुरुआत गौतमबुद्ध नगर से ही की थी। उस यात्रा के माध्यम से उन्होंने पूरे उत्तर प्रदेश का दौरा किया था, जिसका राजनीतिक असर यह हुआ कि २०१२ के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बहुमत मिला और प्रदेश में सपा की सरकार बनी। ऐसे में एक बार फिर उसी धरती से चुनावी अभियान की शुरुआत को पार्टी के लिए शुभ संकेत के रूप में

देखा जा रहा है। २६ मार्च को प्रस्तावित इस सद्भावना रैली में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी के स्थानीय नेताओं का कहना है कि यह रैली न केवल संगठन को मजबूती देगी, बल्कि आगामी चुनावों के लिए माहौल भी तैयार करेगी। रैली में किसानों, युवाओं और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाए जाने की संभावना है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश सचिव सुनील चौधरी आज नोएडा में एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में सभी गांवों और सेक्टरों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य रैली को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार करना और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपना है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में भीड़ जुटाने, परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा और कार्यक्रम के सुचारू संचालन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मजबूत पकड़ बनाने के लिए सपा का यह कदम अहम साबित हो सकता है।

अफवाहों से बढ़ी ईंधन की मारामारीः सप्लाई के दावों के बीच पेट्रोल–डीजल पर पाबंदी, गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारें

बाराबंकी। प्रशासन चीख चीख कर दावा कर रहा कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं पर अफवाहों ने इस दावे को हासिए पर कर रखा है। आग में घी डालने का काम नए पेट्रोल डीजल की बिक्री से जुड़े नए प्रतिबंध कर रहे। आपूर्ति कंपनियों ने भी इस हाथ दे उस हाथ ले का रुख अपना लिया है। जिसका प्रमाण कि कुछेक पंपों पर पेट्रोल डीजल की कमी सामने आई है। इस बीच गैस सिलेंडर के लिए कतार लगने का सिलसिला बराबर जारी है। ईरान, अमेरिका व इजराइल के बीच जारी जंग के साथ ही पहले गैस सिलेंडर के संकट ने सिर उठाया, इसके बाद ईंधन की आपूर्ति से जुड़ी अफवाहों ने आमजन को परेशान कर दिया। हैरत की बात यह कि प्रशासन के दावों में कोई कमी नहीं रही और गैस, पेट्रोल, डीजल के विभागीय आंकड़े तक सार्वजनिक कर दिए गए पर लाकडाउन, आसन्न संकट की अफवाहों से जूझ रहे आमजन युद्ध के परिणाम से उपजने वाली स्थिति की कल्पना कर कतारबद्ध हो गए। पेट्रोल डीजल की मांग अचानक बढ़ गई, वहीं एक ही दिन में डीजल की बिक्री में २६१ किलोलीटर तो पेट्रोल की बिक्री में १२४ किलोलीटर का उछाल आ गया। पपों पर भीड़ उमड़ी तो स्वयं डीएसओ पंप पर मौजूद रहकर आल इज वेल का संदेश देते नजर आए। कुछेक पंपों पर पुलिस की मौजूदगी में बिक्री की गई। समस्या तब बढ़ गई जब अचानक उछाल देखकर घबराए पंपों पर बिक्री की सीमा तय कर दी गई। वही मेंथा किसानों के लिए भी अधिकतम एक हजार रुपये का ईंधन तय हो गया। नतीजा पंपों पर भीड़ बढ़ती जा रही है। उपलब्धता का दावा इसीलिए डांवाडोल है कि पर्याप्त ईंधन होने का दावा तो है पर धरातल पर बिक्री के तय नए पैमाने भीड़ बढ़ाने का काम कर रहे। सूत्रों की मानें तो तेल आपूर्ति कंपनियों ने उधारी बंद कर दी है। माल तभी जब भुगतान पूरा की शर्त का ही नतीजा है कि कहीं पेट्रोल तो कहीं डीजल का अभाव हुआ जा रहा। इस बीच जिले में गैस सिलेंडर के लिए कतारें बराबर लग रहीं। हालांकि आपूर्ति बराबर बनी हुई है पर इसमें लग रहा समय सब्र का इम्तेहान ले रहा।

आईडीएफसी बैंक के पूर्व मैनेजर गिरफ्तारः फर्जी दस्तावेज से लोन घोटाले में ४ साल से फरार २५ हजार का इनामी दबोचा

लखनऊ। जाली दस्तावेज बनाकर कारोबारी के नाम से लोन कराने वाले आईडीएफसी बैंक के पूर्व मैनेजर को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। २५ हजार रुपये का इनामी आरोपी करीब चार साल से फरार चल रहा था। पुलिस फर्जीवाड़े में पूर्व में दो आरोपियों को जेल भेज चुकी है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि मूल रूप से बीकेटी निवासी आरोपी विवेक मिश्रा जानकीपुरम के सरैया टोला स्थित मड़ियांव गांव का रहने वाला है। १८ अगस्त २०२२ को आईआईएम रोड निवासी अंकुर सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में शाहनजफ रोड स्थित आईडीएफसी बैंक के अज्ञात मैनेजर व कर्मचारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप था कि खाते से कई बार में

३५ हजार निकलने का मैसेज आया। छानबीन की तो पता चला कि आईडीएफसी बैंक द्वारा रुपये निकाले गए हैं। सितंबर २०२१ में शिकायत की तो बताया गया कि आपके नाम पर चार लोन चल रहे हैं। किश्ते भी जमा नहीं है। आरोपियों ने उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर जाली दस्तावेज लगाकर करीब तीन लाख का लोन कराकर ठगी की थी। उपनिरीक्षक मधुकर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की। पुलिस ने पूर्व में फिदा मिर्जा व विकास कुरील को जेल भेजा। जांच में आरोपी विवेक मिश्रा का नाम सामने आया। लगातार फरार रहने के चलते उसपर इनाम घोषित किया गया था। सर्विलांस की मदद से उपनिरीक्षक मधुकर सिंह और इरफान की टीम ने आरोपी को दुबग्गा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ विकासनगर में भी एक मामला दर्ज है।

एक वयस्क महिला के साथ विवाहित पुरुष का लिविंग रिलेशनशिप में रहना अपराध नहीं : उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी विवाहित पुरुष का एक वयस्क महिला के साथ उसकी सहमति से सहजीवन (लिव–इन) संबंध में रहना कानून के तहत अपराध नहीं है। न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की

खंडपीठ ने यह टिप्पणी एक मामले में दो याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देते हुए की। अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए कहा, 'यदि एक विवाहित पुरुष किसी वयस्क महिला के साथ उसकी सहमति से सहजीवन संबंध में रह रहा है, तो यह कोई अपराध नहीं है। नैतिकता और कानून को अलग–अलग रखना होगा। यदि कानून के तहत कोई अपराध नहीं बनता, तो सामाजिक विचार और नैतिकता अदालत का मार्गदर्शन नहीं करेंगे।' यह मामला उस समय अदालत के समक्ष आया, जब महिला की मां ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया कि उसकी १८ वर्षीय बेटी को उक्त व्यक्ति बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। याचिका के अनुसार हालांकि महिला ने शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि वह वयस्क है और अपनी इच्छा से उक्त व्यक्ति के साथ सहजीवन संबंध में रह रही है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके परिजन इस संबंध का विरोध कर रहे हैं और उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, जिससे 'ऑनर किलिंग' की आशंका है। उसके अनुसार, इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई आठ अप्रैल को तय की। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

खैराबाद की राधाकृष्ण इण्डेन गैस सर्विस सीज, अनियमितताओं पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

सीतापुर। जनपद में गैस एजेंसियों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। दिनांक २६ मार्च २०२६ को पूर्ति निरीक्षक,

तहसील सीतापुर, नायब तहसीलदार सीतापुर, सेल्स ऑफिसर (एलपीजी सेल्स) सीतापुर एवं जिला पूर्ति अधिकारी की संयुक्त टीम ने खैराबाद स्थित राधाकृष्ण इण्डेन गैस सर्विस की जांच की। जांच के दौरान एजेंसी में कई अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित गैस एजेंसी को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। साथ ही, सक्षम न्यायालयध्अधिकारी के निर्णय तक एजेंसी से गैस की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जांच में सामने आई अनियमितताओं के आधार पर एजेंसी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है और आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान डीएसओ अखिलेश श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार वसुंधरा त्रिपाठी, सप्लाई इंस्पेक्टर नितेश कुमार मिश्रा, चौकी प्रभारी रजनीश कुमार वर्मा, मोनू बालियान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अन्य गैस एजेंसियों में भी सतर्कता बढ़ गई है।

भोजपुरी फिल्म वीरगती में सिंगाही के कुलदीप चौरसिया का अभिनय, ट्रेलर हुआ जारी

सिंगाही खीरी। चौती नवरात्रि पर भोजपुरी फिल्म वीरगती का फर्स्ट लुक जारी होने के बाद २७ मार्च २०२६ को शाम ५ बजे इसका ऑफिशियल ट्रेलर होड़ा भोजपुरी पर रिलीज कर दिया गया। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ गया है। फिल्म में राहुल सिंह और रेशमा शेख की जोड़ी एक्शन, रोमांस और मनोरंजन से भरपूर नजर आ रही है। दिव्या फिल्म क्रिएशन के बैनर तले बनी इस फिल्म को होड़ा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। मेकर्स का दावा है कि दमदार कहानी और जबरदस्त एक्शन के साथ यह फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। लखीमपुर खीरी जिले के सिंगाही थाना क्षेत्र के

फरदहिया निवासी कुलदीप चौरसिया ने भी इस फिल्म में अभिनय कर अपनी अलग पहचान बनाई है। इससे पहले वे भोजपुरी फिल्म सजनी चुरा लिहाली दिलवा हमार में नजर आ चुके हैं, जो यूपी–बिहार के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब उनकी नई फिल्म "वीरगती" जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में राहुल सिंह, रेशमा शेख, बालेश्वर सिंह, राजेश गुप्ता, दीपा कदम, पिंटू सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, कुलदीप चौरसिया, अरविंद यादव, करण प्रताप यादव सहित कई कलाकार नजर आएंगे। लोकप्रिय गायक मोहन राठौर और अल्का झा के स्वर में गीत फिल्म की खासियत बताए जा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज के बाद अब दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए सरकार हमेशा तैयारः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान फाउंडेशन एवं विभिन्न प्रवासी राजस्थानी एसोसिएशनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडिल ईस्ट के देशोंरियाद, कुवैत, बहरीन और दुबईमें राजस्थान फाउंडेशन के चौप्टर्स द्वारा प्रवासी राजस्थानियों की सहायता के लिए किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार और राजस्थान फाउंडेशन भविष्य में भी हर संभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग विभाग और राजस्थान फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न देशों में कार्यरत चौप्टर्स के अध्यक्ष और प्रवासी राजस्थानी संगठनों के प्रतिनिधि भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिनिधियों से

संवाद करते हुए प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं, सुझावों और सहयोग के नए आयामों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रवासी समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने और उनकी सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मां भवानी की प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

मनोज मिश्र

धौरहरा खीरी। तहसील क्षेत्र में ज्यादातर जगहों में स्थापित की गई मां भवानी की प्रतिमाओं का

विसर्जन शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम से आस्था स्थल घाघरा नदी के जालिम नगर पुल के समीप किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए खाकी की मौजूदगी देखी गई। क्षेत्र में चौत्र नवरात्र के समापन के बाद धौरहरा, गुदरिया, ईसानगर, हसनपुर कटौली, सरसवा आदि दर्जनों जगहों पर आदि शक्ति मां भवानी की प्रतिमाओं की स्थापना पहले दिन से की गई थी।अंत में शुक्रवार को रामनवमी के दिन स्थापित प्रतिमाओं को सरोवर में विसर्जन के दौरान आस्था का सैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा। ढोल–नगाड़ों और जयकारों के बीच निकली भव्य शोभायात्रा के बाद प्रतिमाओ का विसर्जन घाघरा तट सरयू नदी स्थित जालिम नगर पुल पर विधि–विधान से किया गया। देवी विसर्जन कार्यक्रम में पप्पू तिवारी, दिनेश शुक्ल, झुल्लन चौरसिया, आलोक वर्मा, आशुतोष वर्मा, अभिषेक गुप्ता, रमेश गुप्ता, सुरेश गुप्ता,नीरज गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओ की मौजूदगी रही। इस दौरान सुरक्षा के घाट पर खाकी की मौजूदगी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से विसर्जन कार्यक्रम संपन्न हुआ।वहीं श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां भवानी आदि शक्ति को विदाई दी।

तहसील बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

लखीमपुर खीरी। तहसील सदर लखीमपुर में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अरविन्द गुप्ता, सदर विधायक योगेश वर्मा और नपा अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। शपथ यूपी बार काउंसिल के सदस्य अजय कुमार शुक्ला ने अध्यक्ष विनोद कुमार पाण्डेय और महामंत्री नर्मल सिंह को पद की शपथ दिलाई। सम्मान समारोह में एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह और तहसीलदार मुकेश कुमार वर्मा सहित प्रशासनिक अधिकारियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ध्यानेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने उपस्थित सभी अतिथियों और मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

बेंगलुरु की स्टार्टअप पुच एआई से एमओयू रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ेत्रिम मेधा अवसंरचना विकसित करने के लिए स्टार्टअप पुच एआई के साथ हस्ताक्षर किये गये २५,००० करोड़ रुपये के प्रस्तावित समझौता ज्ञापन (एमओयू) को रद्द कर दिया है। सरकार ने कंपनी की वित्तीय साख में कमी का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इन्वेस्ट यूपी की तरफ से बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच के जरिये दी गयी जानकारी में कहा गया है, ष्राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, २३ मार्च २०२६ को पुच एआई के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन की समीक्षा की गई। निवेशक से आवश्यक विवरण मांगे गए, लेकिन वे समय पर उन्हें उपलब्ध कराने में विफल रहे।'' बयान के अनुसार, श्उचित जांच पड़ताल से पता चला कि परियोजना के पैमाने के लिए निवेशक के पास पर्याप्त संपत्ति और विश्वसनीय वित्तीय व्यवस्था नहीं हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार, समझौता ज्ञापन आज से रद्द किया जाता है।'' सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा गया है, 'उत्तर प्रदेश सरकार के मूल सिद्धांतों, पारदर्शिता और राजकाज में उच्चतम स्तर की सत्यनिष्ठा के हित में समझौता ज्ञापन रद्द किया गया है।' इस सप्ताह की शुरुआत में घोषित, अब रद्द किए गए समझौता ज्ञापन

(एमओयू) को उत्तर प्रदेश को उभरती प्रौद्योगिकियों के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने २३ मार्च को कहा था कि प्रस्तावित निवेश से एआई पार्क, बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर अवसंरचना, शासन में अनुप्रयोगों के लिए एआई कॉमन्स और युवाओं को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से एक एआई विश्वविद्यालय की स्थापना में सहायता मिलेगी। हालांकि, इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का दौर शुरू हो गया, जिसमें कई उपयोगकर्ताओं ने स्टार्टअप की इतनी बड़ी परियोजना को पूरा करने की क्षमता पर सवाल उठाए। इन चिंताओं का जवाब देते हुए, आदित्यनाथ ने २४ मार्च को एक पोस्ट में स्पष्ट किया कि इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन बाध्यकारी नहीं हैं और विस्तृत जांच–पड़ताल और मूल्यांकन से पहले केवल प्रारंभिक कदम हैं। उन्होंने कहा था कि आगे की कोई भी मंजूरी या अनुमति निवेशक के प्रस्ताव के गहन मूल्यांकन पर निर्भर है और यदि निवेशक आवश्यक मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है तो समझौते रद्द कर दिए जाएंगे। इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि इस घटना ने राज्य सरकार की पोल खोल दी है। उन्होंने सरकार द्वारा हस्ताक्षर किये गये सभी समझौता ज्ञापनों की व्यापक जांच की मांग की।

अमेठी में पेट्रोल पंप पर हंगामे के बाद प्राथमिकी दर्ज, चार आरोपी गिरफ्तार

अमेठी। अमेठी जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर हंगामे के बाद पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों और २०–२५ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह विवाद बृहस्पतिवार को सुंदरी पेट्रोल पंप पर हुआ, जहां पेट्रोल–डीजल के लिए लंबी कतारें लगी थीं। सूचना मिलने पर मोहनगंज थाने के उप निरीक्षक सैयाम बाबू खां पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद कुछ लोगों ने पुलिस वाहन को घेर लिया और उसके बोनट पर चढ़कर हंगामा करने लगे। उप निरीक्षक खां की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मोहनगंज के भेलाई कला निवासी सूफियान अहमद, अबू सैफ, अबू जैद, फैजान और मोहम्मद गजाली और २०–२५ अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि सूफियान अहमद, अबू सैफ, फैजान और मोहम्मद गजाली को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद उस समय शुरू हुआ जब पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने कथित तौर पर कुछ ग्राहकों को पेट्रोल देने से मना कर दिया, जबकि अन्य को कंटेनर में ईंधन दिया जा रहा था। इस बीच, अमेठी के विशेषनगंज पेट्रोल पंप के मालिक अरुण सिंह ने दावा किया कि जिले में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि अफवाहों के कारण लोग अधिक मात्रा में ईंधन भरवा रहे हैं।

अफवाह से मचा हड़कंपः पेट्रोल-डीजल के लिए लंबी कतारें, DM सड़कों पर उतरे, स्ट क पर्याप्त होने का दावा

लखनऊ। रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच डीजल–पेट्रोल संकट की अफवाह के चलते गुरुवार को शहर के पेट्रोल पंपों पर दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहनों की कतारें लग गईं। भीड़ बढ़ने पर कई पंपों पर पुलिस और पीएसी तक बुलानी पड़ गई। कई पंपों पर डीजल–पेट्रोल खत्म हो गया। हालात गंभीर होते देख जिलाधिकारी खुद मैदान में उतरे पेट्रोल पंपों का निरीक्षण कर स्टॉक आदि की जानकारी ली। हालत ये

रही कि शहर में पेट्रोल और डीजल की बिक्री चार गुना तक बएढ़ गई। पहले जिन पंपों पर एक टैंकर पेट्रोल की खपत तीन दिन में होती थी, वहां एक दिन में दो–दो टैंकर पेट्रोल बिक गया। शहर में बुधवार को पेट्रोल–डीजल का संकट होने की अफवाह फैली। इसके बाद कई पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए दोपहिया वाहनों की भीड़ बढ़ गई। गुरुवार को दोपहर बाद फिर पंपों पर पेट्रोल–डीजल भराने के लिए लंबी कतारें लगने शुरू हो गईं। शाम के ३ बजे तक को शहर के ज्यादातर पंपों पर वाहनों की लंबी–लंबी कतारें लग गईं। छुट्टी का दिन होने के बावजूद लोग केवल पेट्रोल भरवाने के लिए वाहन लेकर पहुंच पर लाइन में लग गए। ज्यादातर लोग वाहनों की टंकियां फुल कराने लगे। ये देख ज्यादातर पंप संचालकों ने वाहनों की कतार और अपने यहां स्ट क का अनुमान लगाकर वाहनों के लिए पेट्रोल देने की लिमिट तय कर दी। हालत ये रही कि कई पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया। कुछ ही देर में पेट्रोल लेकर टैंकर पहुंच गए और दोबारा वितरण शुरू कर दिया गया। कुछ जगह शाम तक वितरण नहीं शुरू हो पाया। देर शाम तक ज्यादातर पंपों पर वाहनों की कतारें लगी रहीं। संजय भंडारी तीनों तेल कंपनियों के राज्य समन्वयक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में २०–२२ दिन के लिए पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। ऊपर से लगातार डीजल–पेट्रोल मिलता रहेगा। लखनऊ समेत किसी भी जिले में कहीं कमी नहीं होगी। लोग बिल्कुल परेशान न हों। पेट्रोल डीजल का भंडारण भी न करें। सभी को जरूरत के अनुसार पेट्रोल–डीजल मिलता रहेगा। एडीएम आपूर्ति ज्योति गौतम ने कहा कि जिले के सभी पेट्रोल, डीजल और सीएनजी पंपों पर नगर रख जा रही है। अधिकारी निरीक्षण भी कर रहे हैं। कहीं किसी तरह की कमी नहीं है। अफवाह से बचें, पेट्रोल–डीजल का भंडारण न करें। तेल कंपनियों के पास पर्याप्त स्ट क मौजूद है। कंपनियोंसे समन्वय स्थापित करके लखनऊ के लिए पेट्रोल डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। बुधवार शाम से पेट्रोल डीजल की मांग तेजी से बढ़ गई है। पहले जिन पंपों पर दो से तीन दिनों में एक टैंकर पेट्रोल–डीजल बिकता था, वहां अब एक दिन में ही दो टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं। पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ की जानकारी होने पर जिलाधिकारी विशाख जी संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार के साथ मैदान में उतर गए। इन अधिकारियों ने शाम को हजरतगंज स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने आपूर्ति विभाग और तेल कंपनियों के अधिकारियों से कहा कि, हजरतगंज, गोमती नगर जिन भी प्राइम लोकेशन के पंपों पर ज्यादा ग्राहक आ रहे हैं, वहां पेट्रोल–डीजल का लोड बढ़ाया जाए, जिससे पेट्रोल–डीजल खत्म होने की समस्या न हो। ग्राहकों को वापस न लौटना पड़े। जिलाधिकारी ने पंप संचालकों से कहा कि, पेट्रोल या डीजल केवल वाहनों में ही भरें, कंटेनर आदि में पेट्रोल–डीजल न दिया जाए।

'ब्रह्मोत्सव' में फूलों की फुहार से झूम उठा इस्कॉन

(सुनील शर्मा) लखीमपुर खीरी। लखीमपुर की पुण्यभूमि ने एक बार फिर उस अद्भुत क्षण को साकार होते देखा, जब आस्था ने रंगों का रूप धारण कर लिया और भक्ति ने फूलों की वर्षा में अपनी मधुर अभिव्यक्ति दी। स्थानीय एलआरपी चौराहे के निकट स्थित इस्कॉन मंदिर परिसर में आयोजित "फूलों की होली – ब्रह्मोत्सव" ने श्रद्धा, संस्ेति और आध्यात्मिक उल्लास का ऐसा संगम रचा, जिसने उपस्थित हर हृदय को राधा–कृष्ण प्रेम में सराबोर कर दिया। सायं ४ बजे जैसे ही उत्सव का शुभारंभ हुआ, वातावरण "हरे कृष्ण" महामंत्र के दिव्य उद्घोषों से गूंज उठा।भक्ति की इस सुरसरिता में जब ५०१ किलोग्राम पुष्पों की वर्षा आरंभ हुई, तो हर ओर रंगों के स्थान पर फूलों की सुगंधित छटा बिखर गई, एक ऐसा दृश्य, जिसने समय को भी ठहरने पर विवश कर दिया। इस भव्य आयोजन की गरिमा उस समय और बढ़ गई, जब परम पूज्य संत भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज जी का प्रथम बार लखीमपुर आगमन हुआ। उनके सान्निध्य एवं प्रवचन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया। साथ ही, प्रेम हरिनाम प्रभु (अध्यक्ष, इस्कॉन कानपुर) की पावन उपस्थिति ने भक्तों के उत्साह को और भी ऊँचाइयों तक पहुंचा दिया। कानपुर से पधारी कीर्तन मण्डली ने जब मृदंग और झांझ की थाप पर संकीर्तन प्रारंभ किया, तो भक्तजन स्वयं को थिरकने से रोक न सके। फूलों की वर्षा के बीच नृत्य करती श्रद्धा, झूमते भाव और भक्ति में डूबे चेहरे, यह सब मिलकर एक ऐसा अलौकिक श्य प्रस्तुत कर रहे थे, जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन था। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत मधुर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। उनकी निष्कलुष अभिव्यक्तियों में भक्ति की सरलता और सच्चाई स्पष्ट झलक रही थी। इस अवसर पर मंदिर के नित्य सेवक भक्तों को विशेष उपहार भेंट कर उनके योगदान के प्रति ेतज्ञता व्यक्त की गई, यह भाव अपने आप में सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल बना। आयोजन के समापन पर भव्य भंडारे के माध्यम से सभी को प्रसाद वितरण किया गया, जहां हर श्रद्धालु ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण कर इस दिव्य अनुभव को अपने हृदय में संजो लिया। इस संपूर्ण आयोजन को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने में संयोजक सुनील मुकुंद प्रभु की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही। उनके कुशल संयोजन और इस्कॉन परिवार के समर्पित प्रयासों ने इस ब्रह्मोत्सव को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भक्ति और प्रेम का जीवंत उत्सव बना दिया। यह "फूलों की होली" केवल रंगों का उत्सव नहीं थी, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाला एक आध्यात्मिक सेतु थी, एक ऐसा अनुभव, जिसने लखीमपुर की धरा को भक्ति के सुगंधित पुष्पों से सदा के लिए महका दिया। उक्त जानकारी नूतन मिश्रा, मीडिया प्रभारी एवं स्पर्श सिन्हा सह मीडिया प्रभारी द्वारा दी गई।

चौत्र नवरात्र की नवमी पर सीएम योगी ने किया कन्या पूजन, अपने हाथों कराया भोजन

लखनऊ/गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक (चौत्र) नवरात्र की नवमी पर शुक्रवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में दुर्गा स्वरूपा नौ कन्याओं के चरण पखारे, उनका विधि-विधान से पूजन किया, चुनरी ओढ़ाई, आरती उतारी और श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। उन्होंने दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद भी लिया। परंपरा के तहत मुख्यमंत्री ने बटुक पूजन भी किया। इस अवसर पर मंदिर के

प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ सहित कई संत और मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कन्या पूजन से पहले प्रातःकालीन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना भी की गई। गोरखपुर में सीएम को ५ साल की बच्ची ने बुलडोजर ट य गिफ्ट किया। योगी ने बच्ची के साथ बुलडोजर पकड़कर फोटो खिंचवाई। फिर बच्ची को वापस लौटाते हुए कहा कि अब इसे ले जाओ। मन लगाकर पढ़ाई करना। बच्ची का नाम यशस्विनी है। वह परिवार के साथ कानपुर से गोरखनाथ मंदिर आई थी। सीएम ने इसके भी पांव पखारे।

यूपी में सीसीटीवी कैमरों से गो-आश्रय स्थलों में निगरानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण को तकनीक से जोड़ते हुए बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के ५४४६ गो-आश्रय स्थलों को सीसीटीवी निगरानी से जोड़ा गया है, जहां अब तक ७५६२ कैमरे स्थापित किए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक आश्रय स्थल पर न्यूनतम पांच कैमरे लगाने का है। सीसीटीवी व्यवस्था के माध्यम से अब गो-आश्रय स्थलों में खान-पान, स्वास्थ्य, साफ-सफाई और सुरक्षा की २४ घंटे निगरानी संभव हो गई है। इससे किसी भी प्रकार की लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है और प्रशासनिक जवाबदेही भी मजबूत हुई है। सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि सीसीटीवी कैमरों की नियमित म निटरिंग सुनिश्चित की जाए और खराबी होने पर तत्काल सुधार कराया जाए। साथ ही अधिकारियों को समय-समय पर स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को कहा गया है। पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम के अनुसार, वर्तमान में ५६ जनपदों में कमांड एवं कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, जहां से कैमरों की म निटरिंग की जा रही है। शेष १६ जनपदों में सीएसआर के माध्यम से जल्द कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे, जिससे पूरे प्रदेश में एक मजबूत और एकीकृत निगरानी तंत्र विकसित होगा।

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

मुम्बई। अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल २०२६ बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि ७ फिल्में ब क्स अ फिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो क मेडी से लेकर एक्शन के ज नर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ १० अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म ह रर और क मेडी का मिक्स क कटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका ४ साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका'

फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली २०२५ में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, २०२६, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स क कटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त क मेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-२' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

राम चरण के जन्मदिन पर मेकर्स ने दिखाई 'पेड्डी पहलवान' की झलक

मुम्बई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण की आने वाली फिल्म 'पेड्डी' को लेकर काफी चर्चा हो रही है। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं। इस कड़ी में, फिल्ममेकर्स ने राम चरण के जन्मदिन के मौके पर फैंस को एक खास तोहफा दिया है। उन्होंने 'पेड्डी पहलवान ग्लिम्पसे' टाइटल से एक वीडियो जारी किया है, जिसमें राम चरण का एक बिल्कुल नया और दमदार अवतार देखने को मिल रहा है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वृद्धि सिनेमा ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया और राम चरण को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके किरदार की झलक दिखाई। पोस्ट में लिखा, "फिल्म में राम चरण का हौसला, उनका खेल और उनका आत्मसम्मान साफ नजर आएगा। 'पेड्डी' फिल्म ३० अप्रैल को दुनियाभर में रिलीज की जाएगी। राम चरण के किरदार को देखकर

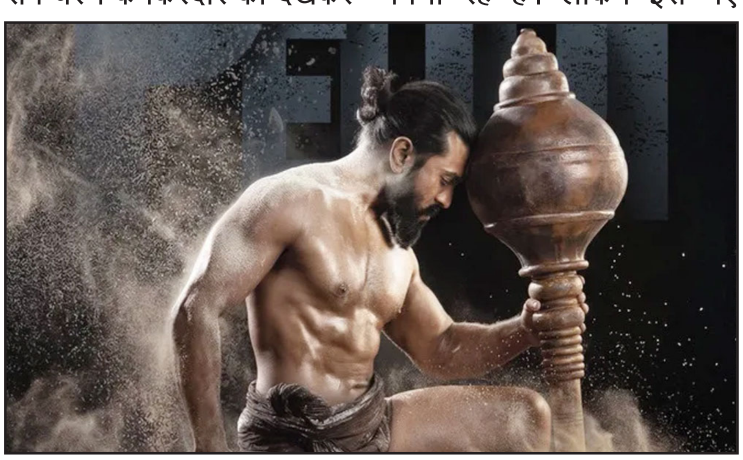

फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। वीडियो में राम चरण का एक बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल रहा है। कुछ समय पहले फिल्म की एक क्लिप में उन्हें क्रिकेट खेलते हुए दिखाया गया था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि शायद वह फिल्म में क्रिकेटर का किरदार निभा रहे हैं। लेकिन इस नए वीडियो ने पूरी कहानी को ही नया मोड़ दे दिया है। इसमें राम चरण एक मजबूत पहलवान के रूप में नजर आ रहे हैं, जो अपने खेल को लेकर बेहद जुनूनी है। उनका यह लुक फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। वीडियो की शुरुआत एक दमदार आवाज से होती है, जिसमें कहा जाता है, "कुश्ती कोई ऐसा स्पोर्ट नहीं है जिसमें आप बैट लेकर आते हैं और सामने से आती ब ल का सामना करते हैं। यह एक ऐसा स्पोर्ट है, जिसमें आप अपनी जान की कसम खाते हैं और मौत के सामने खड़े होते हैं। अब मुझे बताओ, क्या तुम रिंग में उतरोगे या नहीं? वीडियो के आखिर में राम चरण उस सवाल का जवाब देते हुए कहते हैं, "यह गेम मेरा गर्व है। फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा शिवा राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी जैसे अनुभवी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म ३० अप्रैल २०२६ को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक